लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद,हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

कार्तिक शुक्ल पक्ष, एकादशी 6.08 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2079

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 3, अंक 354, पृष्ठ 16, मूल्यः 6 रुपये

बरेली, शुक्रवार, 4 नवंबर 2022

www.amritvichar.com

PAGE NO : 05 BOTTOM

'एक आवाज मोहब्बत की लालेश्वरी' का मंचन किया

अमृत विचार, बरेली

श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार।

- **थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव का तीसरा दिन**
- **रुबरू थिएटर की संस्थापक काजल सूरी का रहा निर्देशन**

श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में दूसरे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव के तीसरे दिन कश्मीर की कवियत्री लालेश्वरी पर केंद्रित नाटक 'एक आवाज मोहब्बत की लालेश्वरी' का मंचन रूबरू थिएटर ने किया। लालेश्वरी लल्ल के नाम से जानी जाती थीं। वह 14 वीं सदी की भक्तिमार्गी कवियत्री थीं, जो कश्मीर की शैव भक्ति परंपरा और कश्मीरी भाषा की विद्वान थीं।

लल्ल की काव्य शैली को 'वाख' कहा जाता है। वाख कश्मीरी भाषा का एक छंद है, जिसमें चार पंक्तियों में कवि अपनी बात कहता है। लल्ल वाख के नाम से जाने जाने वाले उनके छंद कश्मीरी भाषा में सबसे शुरुआती रचनाएं और आधुनिक कश्मीरी साहित्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने जाति और धर्म की संकीर्णताओं से उठकर भक्ति के ऐसे रास्ते पर चलने पर जोर दिया, जिसका जुड़ाव जीवन से हो।

रुबरू थिएटर की संस्थापक काजल सूरी के निर्देशन में लालेश्वरी के जीवन वृतांत को संगीतमय नाटक के रूप में प्रस्तुत किया गया। नाटक का मंचन देख दर्शक मंत्र मुग्ध हो गए। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डा. एसबी गुप्ता, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार आदि लोग मौजूद रहे।